[Shri Sunil Basu Ray] be banned and better types should be manufactured by our firms and companies and our Research and Development Department should take proper care of this aspect.

Demand to place report of Kudal Commission on the Table of the House

श्री मीर्ज़ा इर्शादबेग (गुजरात): मान्यवर, मैं एक अति-गंभीर लोक महत्व के विषय को उजागर करना चाहता हूं और आशा करता हूं कि हकीकतों को सामने रखते हुए, क्योंकि जैसा कि अभी कहा गया कि विपक्ष का भी देश की सुरक्षा के साथ, देश की एकता के साथ उतना ही संबंध है, मैं आशा करता हूं कि इस सदन का विपक्ष भी मेरे साथ इस मांग में समर्थन देगा।

मान्यवर, पार्टी कोई भी हो, सरकार कोई भी चलाती हो, लेकिन हमारे सबके सम्मुख देश की सुरक्षा, देश की स्वतंत्रता और देश की एकता सबके लिए एक शरीकी चीज़ है।

मान्यवर, आज मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि बार-बार इस सदन को, उस सदन को अपना माध्यम बनाकर के देश की एकता के बारे में बातें कही जा रही हैं। मैं आज यह कहना चाहूंगा कि कुछ वर्ष पूर्व एक कमीशन बनाया गया था और कुडाल कमीशन के नाम से उस कमीशन ने अपनी कार्रवाई आरम्भ की। मुझे कहते हुए अत्यंत खेद हो रहा है कि रोज़ सुबह उठकर जो अपनी गुलबांग लगाते हैं, विपक्ष के नेता, जनता दल के नेता, ऐसी साजिश में शामिल होंगे और मैं कभी मान भी नहीं सकता था, लेकिन कुडाल कमीशन की जो रिपोर्ट आई है उसमें सच्चाई सामने है। देश की सुरक्षा को और देश की सुरक्षा के जो सौदागर बने हुए है, मैं मान्यवर आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि उनको बेनकाब किया जाए और देखें कि देश की सुरक्षा को किस ढंग से बेचा जा रहा है। किसी ढंग से सी. आइ. ए. का पैसा वहां पर इस्तेमाल किया जा रहा है, किस ढंग से डिफेंस के नक्शे विदेशों को बेचे जा रहे हैं।

मान्यवर, मैं कहना चाहता हूं कि सी. आइ. ए. के फैन्स तथा यूरोप और अमरीका में गांधी पीस फाउंडेशन और ऐवार्ड जैसी संस्थाएं तथा अन्य ग्रूपों के साथ हमारी विपक्षी नेताओं के संबंध हैं, जनता दल के नेता उसमें सम्मिलित है... **(व्यवधान)**

श्रीमन, पहले तो मैं यह बताना चाहता हूं कि इस कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में क्या कहा है, उसके लिए मैं मांग करता हूं कि कि देश को सच्चाई जानने का अधिकार है इसलिए देश सच्चाई जाने इसके लिए सरकार अविलंब सदन के सामने उस रिपोर्ट को प्रस्तुत करे... **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री सत्य प्रकाश मालवीय): कहां से पढ़ रहे हैं, यह सोर्स बताइए... **(व्यवधान)**

श्री मीर्ज़ा इर्शादबेग: यह न्यूजपेपर में छपी हुई बात है, आपको पता नहीं कि आपकी बगल में कौन लोग बैठते हैं। मान्यवर, भारतीय सरहदों के नक्शे, भारत की राजनीतिक गतिविधियां तथा देश की सुरक्षा संबंधी सूचनाएं कितनी महत्वपूर्ण होती हैं, यह सभी जानते हैं, लेकिन यह इनके द्वारा विदेशी शक्तियों को बेची जा रही है और वह भी चांदी के चंद सिक्कों के लिए। इसके लिए ही सरकार ने कोडाल कमीशन गठित किया था जिसने अपनी रिपोर्ट 25 अक्तूबर, 1984 को तथा अन्य रिपोर्ट 3 जनवरी, 1987 को प्रस्तुत कर दी थी, लेकिन आज तक सरकार ने उसको सदन में प्रस्तुत नहीं किया है।

मान्यवर, विदेशी तत्वों के साथ मिलकर देश को तोड़ने की साजिशें की जा रही हैं। केरल की गांधी स्मारक निधि ने 59 लाख रुपया विदेशों से प्राप्त किया है।... **(व्यवधान)**

उपसभाध्यक्ष (श्री सत्य प्रकाश मालवीय): अब आप समाप्त कीजिए, 5 मिनट हो गए हैं...**(व्यवधान)**

श्री मीर्ज़ा इर्शादबेग: मान्यवर, यह देखने की बात है कि सी. आई. ए. के आंचल में क्या खेल ये लोग खेल रहे हैं। सी. बी. आइ. ने आफिशियल सीक्रेट्स ऐक्ट के अधीन अनेक लोगों पर प्राजीक्यूशन की विधि प्रारंभ की है। हमारे आफिशियल सीक्रेट्स तथा रक्षा विभाग के नक्शे विदेशों के हाथों बेचे जा रहे हैं जिसके बारे में कमीशन ने बताया है।

मान्यवर, अखबारी सूत्रों से यह पता चलता है कि कमीशन ने 180 केसेज में निर्णय दिए हैं, 210 केस असंपूर्ण रहे हैं, 50 केसेज हैं जिनके केसेज में हाई कोर्ट में स्टे मिला है। 14000 पत्रों की यह रिपोर्ट अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसको सदन के सभा पटल पर रखा जाना चाहिए।

[उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई) पीठासीन हुए]

मान्यवर, देश के सौदागरों को बेनकाब करने की मैं मांग करता हूं। मान्यवर, जस्टिस कोडाल कमीशन ने पश्चिम जर्मनी के इ. जेड. ई. ग्रुप, अमरीका का वर्ल्ड नेबर तथा यूरोपीय अमरीकन चर्च ग्रुपों की गतिविधियों को उजागर किया है कि ये संस्थाएं भारत के सीमावर्ती इलाकों, समुद्र के तटीय इलाकों और आदिवासी क्षेत्रों में अपने पंख पसारे पड़े हुए हैं। इनका विकास या उत्थान के कार्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है, किन्तु स्वयंसेवी संस्थाओं के नाम पर करोड़ों रुपया इस देश में लाकर देश की सुरक्षा के साथ ये खतरनाक खेल खेल रहे हैं जिसको विशिष्ट कानून बनाकर मैं रोकने की सरकार से मांग करता हूं।

मान्यवर, अंत में मैं इस बात को भी उजागर करना चाहता हूं, यह अत्यंत महत्व की बात है कि विपक्ष के एक नेता, जनता दल के एक नेता महाराष्ट्र में रत्नागिरी में अपनी एक मैत्री संस्था बनाए हैं जो कि यहां बार बार चिल्लाकर कह रहे हैं, मेरी सरकार पर आरोप लगा रहे हैं, मेरे नेता पर आरोप लगा रहे हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि आपकी मैत्री संस्था ने जिसके ट्रस्टी* हैं, उन्होंने सरकारी साधनों का संस्था और अन्य नाम पर लेकर भयंकर दुरुपयोग किया है। मान्यवर जनता सरकार के एक मंत्री...(व्यवधान)

SHRI ARANGIL SREEDHARAN (Kerala): On a point of order. He has made an accusation against a very respected member of the Lok Sabha, is not here to reply to his allegations. I submit that allegations against him should not be permitted.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Mr. Mirza, I think you should avoid the name.

SHRI MIRZA IRSHADBAIG: O.K., Sir.

(Interruptions)

"Expunged as ordered by the Chair. 'Not recorded.

I am not naming. Please sit down and listen. This is very concerned with the security of the country.

SHRI N.K.P. SALVE (Maharashtra): If the name of has been mentioned, it should be expunged.

SHRI YASHWANT SINHA (Bihar): I can understand a demand for laying the report.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): His name will not go on record.

SHRI YASHWANT SINHA: How can that report be discussed?

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Sir, I am on a point of order. The reference to was made in the Kudal Commission Report therefore, he is referring to it. *(Interruptions)*

SHRI MIRZA IRSHADBAIG: I am just quoting it. On my own I am not saying it. *$$ 'Z&fR f^Rl % i& vrfl* f3j% *Jd$J1tHW wft *3F&* m? t ^P# I... The chair is there to look after our request.

SHRI V. NARAYANASAMY: That report has been leaked to the press. He is reading the press report.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Please don't refer to the name. You can make a mention without mentioning the name.

श्री मीर्जा इर्शादबेग : जिन्हें सुब्रह्मण्यम स्वामी अच्छी तरह से जानते हैं जनता सरकार के भूतपूर्व इंडस्ट्री मिनिस्टर, उन्होंने अपने इन्टरव्यू में कहा है। बड़े शर्म की बात है, मंत्री ने लिबिया में जाकर जो हमारे आणविक करार थे उसके बावजूद लीबिया सरकार को बेचा है, ऐसी जनता सरकार के भ्रष्ट मंत्री के बारे में कुडाल कमीशन ने क्या कहा है (व्यवधान)... ऐसे एक

[श्री मीर्जा इर्शादबेग]

इंडस्ट्री मिनिस्टर रहे हैं। कुख्यात मंत्री रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री मिनिस्टरी से एवार्ड प्रस्ताव के 24 लाख रुपये दिये जिसका उपयोग राजकीय ...(व्यवधान)। इसी प्रकार एक अन्य जनता सरकार के मंत्री, नाम नहीं लेना चाहता क्योंकि मुझे आप रोक रहे हैं, उन्होंने भी एवार्ड से डेढ़ लाख रुपये लेकर अपने घर में निजी ट्रक्टर बसाया। देखिये, जनता की सरकार किस तरह से जनता के पैसे के साथ खिलवाड़ कर रही है। (व्यवधान) Listen to facts.

SHRI V. NARAYANASAMY: He can refer to the press report and quote it.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Please sit down.

श्री मीर्जा इर्शादबेग : जनता दल के जो वरिष्ठ नेता हैं वे इस स्केण्डल में शामिल हैं इसलिए मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं ... (व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : आपकी पार्टी भी शामिल है।

श्री मीर्जा इर्शादबेग : आप समर्थन कर दीजिए। (व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : आपकी ही सरकार को ... (व्यवधान)

श्री मीर्जा इर्शादबेग : हम यह मान कर चलते है कि आपका भी समर्थन है।

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Sir, on a point of order. Sir, the Kudal Commission Report has not been laid on the Table of the House.

SHRI MIRZA IRSHADBAIG : This is my demand.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): He can raise it. It has come in the press. But I will not allow him to give any names.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): It should be laid on the Table of the House.

SHRI V. NARAYANASAMY: I agree with Mr. Subramanian Swamy. It should be laid on the Table of the house. *(Interruptions)*

SHRI SUKOMAL SEN: Some of the reports which are not placed on the Table of the House, are deliberately leaked out by certain vested interests. Here also is the case of the Kudal Commission Report.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): There is no point of order.

SHRI SUKOMAL SEN: How can we discuss the Report? He can demand its laying on the Table. He cannot discuss the details. How can you permit this discussion?

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया (बिहार): यह बहुत अहम सवाल है। आप इनको मौका दीजिए ताकि यह अपने विचार रख सकें । यह पूरे मुल्क की जनता को इनके काले कारनामे बता रहे हैं।

श्री मीर्जा इर्शादबेग : जो इसमें बताया गया है वह देश की जनता को जानने का अधिकार है। (व्यवधान)

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M.M. JACOB): Whatever has been leaked from a report to the House, that shall not be discussed.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): Yes, I did not agree with him.

SHRI SUKOMAL SEN: What I am saying is that we can demand the laying of it on the Table. I s.-y this because you are a Minister. *(Interruptions)*

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI (JAGESH DESAI): No, I will not allow you.

SHRI V. NARAYANASAMY: Please. Let me say one thing. The Thakkar Commission Report was not laid on the Table of the House. It came from the Press and they discussed it here. Now, how can they say it cannot be discussed?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI) : No, I have not [1] allowed you.

श्री मीर्जा इर्शादबेग : मान्यवर, मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि देश की सुरक्षा के साथ किसी ने खिलवाड़ किया हो, वह कभी भी बर्दाशत नहीं किया जा सकता है। डिफेन्स के हमारे नक्शे और डिफेन्स की बातों को लीक किया गया हो, उसको बेचा गया हो तो मैं यह मांग करता हूं कि आज पूरा सदन इस बात में मेरे साथ है कि सच्चाई देश की जनता जानना चाहती है, इसलिए कुदाल कमीशन की जो रिपोर्ट है वह सरकार सदन के पटल पर प्रस्तुत करे।

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Let it be on record that the entire Opposition supports this demand.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): No support is there.

SEVERAL HON. MEMBERS: Everybody supports this.

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY (Andhra Pradesh): Let the Kudal Commission report be placed on the Table of the House.

PROF. C. LAKSHMANNA (Andhra Pradesh): We demand that the Report should be placed on the Table of the House.

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: We demand all reports including the whole of the Thakkar Commission Report, should be placed on the Table of the House.

SHRI SAT PAUL MITTAL (Nominated): I say with full sense of responsibility that we welcome this demand.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): He was talking of Kudal and you are going on to something else. *(Interruptions)*

SHRI B. SATYANARAYAN REDDY: We say all suppressed reports should be placed on the Table of the House.

Death of 70 Persons after Consuming Dlicit Liquior in Various Towns of U. P.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय (उत्तर प्रदेश) : उप सभाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश में 20 मार्च और 30 मार्च के बीच में जहरीली शराब पीने के कारण करीब-करीब 70 लोग मौत के शिकार हो चुके हैं। यह घटनायें इलाहाबाद, लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, मुरादाबाद और वाराणसी में घटी हैं इनमें से इलाहाबाद में 10, बाराबंकी और लखनऊ में 17 और वाराणसी में 12 लोगों की मृत्यु हुई है और उत्तर प्रदेश में अन्य स्थानों में 50 लोगों की आंख की रोशनी जाती रही है। इसके अलावा करीब-करीब डेढ़ सौ लोग आज भी विभिन्न अस्पतालों में मौत से जूझ रहे हैं। उत्तर प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में इस समय पांच सौ लोग भर्ती हैं। अकेले इलाहाबाद में जहां पर 10 लोगों की मृत्यु हुई, करीब डेढ़ सौ लोग अस्पताल में भर्ती है और जगह जगह से मृतकों के संबंध में जो पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आई है उससे पता चलता है कि सभी मौतें स्पिरिट में मिथाइल अलकोहल की मात्रा ज्यादा होने के कारण और उसमें सस्ता रसायन मिलाने से हुई है। पिछले महीने ही कुछ दिन पूर्व गुजरात में इसी तरह का काण्ड हो चुका है। उत्तर प्रदेश के आबकारी विभाग और पुलिस विभाग से कतिपय अधिकारियों और कर्मचारियों की सांठगांठ पर ये काण्ड हो रहे हैं। जहरीली शराब का जो माफिया है वह सारे उत्तर प्रदेश पर हावी है। लेकिन मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने किसी के विरुद्ध कोई भी